an>

Title: Regarding need to appoint Governors in consultation with State Governments.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : अध्यक्ष महोदया, हमारी मांग है कि जातीय जनगणना प्रकाशित की जाए ...(व्यवधान) देश में पिछड़ों के साथ अन्याय हो रहा है। आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी ने यह प्रस्ताव रखा है कि जातीय जनगणना लागू की जाए।...(व्यवधान) इस आंकड़े से सरकार की चालाकी और नीयत स्पÂट रूप से दीखती है।...(व्यवधान) सरकार को बताना चाहिए कि खेती-बाड़ी करने वाले, भिक्षावृत्ति करने वाले, कूड़ा बीनने वाले, दिहाड़ी मजदूरी करने वाले, भूमिहीन मजदूर और एक कमरे के कच्चे मकान में रहने वाले कौन सी जाति के लोग हैं।...(व्यवधान) आयकर देने वालों की जातिगत सामाजिक पृÂठभूमि और उनकी आय के साधन को सार्वजनिक किया जाए...(व्यवधान) आज पिछड़ी जाति के लोगों के साथ अन्याय हो रहा है...(व्यवधान) इसलिए जातीय जनगणना को प्रकाशित किया जाए। गांव का हर तीसरा परिवार भूमिहीन है...(व्यवधान) 75 प्रतिशत घरों की मासिक आमदनी पांच हजार रुपये से कम है...(व्यवधान) पांच परसैन्ट से ज्यादा परिवार मजदूरी करते हैं...(व्यवधान) देश में दस हजार रुपये से अधिक मासिक आमदनी वाले मात्र आठ फीसदी ग्रामीण परिवार हैं। ...(व्यवधान) इसलिए भारतीय जनता पार्टी और सरकार पिछड़ों के साथ अन्याय कर रही है। हम चाहते हैं कि जातीय जनगणना लागू की जाए...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मुलायम सिंह यादव जी ने इस बारे में प्रस्ताव किया है। लेकिन जानबूझकर पिछड़ों के साथ देश में अन्याय हो रहा है...(व्यवधान) उन्हें न्याय मिलना चाहिए। आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी, आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी लगातार इस बारे में प्रश्न उठा रहे हैं। इस मुद्दे पर बिहार बंद किया गया था।...(व्यवधान) अब इसके लिए महाभारत होगा...(व्यवधान) जंग होगा, अब हम लोग रुकेंगे नहीं। इसलिए हमारी मांग है कि जातीय जनगणना को लागू किया जाए...(व्यवधान) आज इन लोगों की स्थिति बद से बदतर है। 23 फीसदी से ज्यादा घरों में 25 साल से ज्यादा उम्र का कोई शिक्षित व्यस्क नहीं है। इसलिए हम पिछड़ों और गरीबों के साथ अन्याय और धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं करेंगे। ...(व्यवधान) आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी ने जातीय जनगणना का जो सवाल उठाया है, आदरणीय लालू जी और श्री नीतीश जी और अन्य पार्टियों ने भी जातीय जनगणना प्रकाशित करने का सवाल उठाया है। इसे संदूक में बंद क्यों किया गया है? यह हमारा संवैधानिक हक और अधिकार है। धन्यवाद।...(व्यवधान)

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर): माननीय अध्यक्ष महोदया, सबसे पहले तो ये कांग्रेस के लोग, जिनका *â€¦* * ये इस सदन के चार सौ से अधिक सदस्यों के अधिकार का हनन कर रहे हैं। ...(व्यवधान) लगातार ये व्यवधान डालने का काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान) जो चार सौ से अधिक की संख्या में सदस्य हैं, उनकी बातों को देश की जनता तक पहुंचने नहीं दिया जा रहा है। ...(व्यवधान) इसलिए मैं अपनी बात कहने से पहले आपसे मांग करता हूँ कि *â€¦* □

HON. SPEAKER: It will not go on record.

...(*Interruptions*)*â€¦* *

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर): माननीय अध्यक्ष जी, ये लगातार चुनाव दर चुनाव हार रहे हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात करें।

â€¦(व्यवधान)

श्री केशव प्रसाद मौर्य : माननीय अध्यक्ष जी, हमें व्यवधान हो रहा है। ये बाधा डाल रहे हैं। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: It will not go on record.

...(*Interruptions*)*â€¦* *

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात करें।

â€¦(व्यवधान)